

सन २००९-२०१० वर्षामध्ये पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशिप अंतर्गत राज्यातील शासकीय औ.प्र.संस्थांचा दर्जा वाढ करण्यास मान्यता देण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग

शासन निर्णय क्र.पीपीपी-२०१०/(७६/१०)/व्यशि-५

मंत्रालय, विस्तार भवन, मुंबई-४०० ०३२.

दिनांक : १७ जुलै, २०१०.

- संदर्भ :- १) शासन निर्णय क्र.आयटीआय-२००७/(१६२/०७)/व्यशि-२, दि.३१.१२.२००७.
२) शासन निर्णय क्र.आयटीआय-२००८/(३४६/०८)/व्यशि-२, दि.९.९.२००८.
३) शासन निर्णय क्र.पीपीपी-२००९/(३६/०९)/व्यशि-५, दि.२०.७.२००९.
४) Letter from Director General of Employment & Training, New Delhi
No.DGET-35(1396)/Maharashtra/2009-NIC, dated 8/10/2009,
10/12/2009, 23/12/2009, 30/12/2009, 9/2/2010, 17/3/2010,
22/3/2010, 29/3/2010.
५) संचालक (प्रशिक्षण) यांचे पत्र क्र.१९/पीपीपी-१३९६/२०१०/१०७,
दिनांक ०६ जून २०१०.

प्रस्तावना :- औ.प्र.संस्थामधून दिले जाणारे प्रशिक्षण कारखान्यातील तंत्र ज्ञानाच्या गरजेशी सुसंगत होण्यासाठी व कौशल्ययुक्त जागतिक दर्जाचे मनुष्यबळ निर्माण करण्यासाठी कारखाने / औद्योगिक संघटना यांच्या सहकार्याने केंद्र शासनाने सन २००५ पासून देशातील औ.प्र.संस्थांचा दर्जा उंचावून त्यांना सेंटर ऑफ एक्सलन्समध्ये रुपांतरीत करण्याची योजना सुरु केलेली आहे. देशातील १३९६ औ.प्र.संस्थांचा दर्जावाढ पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशिपच्या माध्यमातून करण्याची घोषणा केंद्रीय वित्तमंत्री यांनी सन २००७-०८ च्या अर्थसंकल्पीय भाषणात केलेली आहे.

केंद्र शासनाच्या मार्गदर्शक सूचनेनुसार खाजगी उद्योगाच्या सहभागाने (Public Private Partnership) राज्यातील औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थांचा दर्जावाढ करण्यास संदर्भाधीन क्रमांक १ च्या शासन निर्णयान्वये मान्यता देण्यांत आली आहे. त्याप्रमाणे सन २००७-०८ व सन २००८-०९ मध्ये अनुक्रमे ६२ व ५५ औ.प्र.संस्थांचा दर्जावाढ करण्यास शासनाने मान्यता दिलेली आहे.

३. संदर्भ क्रमांक ४ नुसार सन २००९-२०१० या वर्षामध्ये ६० औ.प्र.संस्थांचा दर्जावाढ करण्यास केंद्र शासनाने मान्यता दिलेली असून संस्था व्यवस्थापन समितीच्या बँक खात्यात प्रत्येकी रु.२.५० कोटी प्रमाणे एकूण रु.१५०.०० कोटी रक्कम व्याजमुक्त कर्जरूपाने जमा झालेली आहे. या ६० औ.प्र.संस्थांपैकी १६ संस्थात इतर परंपरागत व्यवसाय अभ्यासक्रमासह सेंटर ऑफ एक्सलन्स योजनेच्या नॉर्म्सप्रमाणे व्यवसाय अभ्यासक्रमाच्या गट / सेक्टरप्रमाणे निवड करून दर्जावाढ करण्यास तसेच उर्वरीत ४४ औ.प्र.संस्थामध्ये सध्या सुरु असलेल्या मुळ व्यवसाय अभ्यासक्रमाचा विकास करून दर्जावाढ करण्यास मान्यता देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधिन होती.

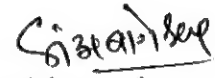
शासन निर्णय :- उपरोक्त पार्श्वभूमीवर सन २००९-२०१० मध्ये केंद्र शासनाकडून उपलब्ध झालेल्या प्रति संस्था रु.२.५० कोटी बिनव्याजी कर्जाऊ रकमेमधून खाजगी उद्योगाच्या सहभागाने (Public Private

Partnership) राज्यातील ६० औ.प्र.संस्थांचा दर्जावाढ करण्यास या शासन निर्णयाद्वारे मान्यता देण्यांत येत आहे. या संस्थांपैकी सोबतच्या प्रपत्र-अ मधील १६ औ.प्र.संस्थामध्ये इतर परंपरागत व्यवसाय अभ्यासक्रमासह सेंटर ऑफ एक्सलन्स योजनेच्या निकषाप्रमाणे व्यवसाय अभ्यासक्रमाच्या गट / सेक्टरप्रमाणे निवड करून दर्जावाढ करणे व प्रपत्र-ब मधील ४४ औ.प्र.संस्थामध्ये सध्या सुरु असलेल्या मूळ व्यवसाय अभ्यासक्रमाचा विकास करून दर्जावाढ करण्यासाठी याद्वारे शासन मान्यता देण्यांत येत आहे.

संदर्भाधीन शासन निर्णय क्रमांक १ मधील मुद्या क्रमांक १६ नुसार "संस्था विकास आराखडयानुसार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेत आय.एम.सी. ला नवीन व्यवसाय / तुकडी सुरु करावयाचे असल्यास आवश्यकतेनुसार करार तत्वावर शिक्षक पदे (Contractual Faculties) नेमता येतील. यासाठीचा खर्च योजनेच्या उपलब्ध निधीतून भागविण्यांत यावा. या योजने अंतर्गत राज्य शासनाकडून कोणतीही आवर्ती / अनावर्ती तरतूद उपलब्ध होणार नाही" या अटीच्या अधीन राहून उपरोक्त अभ्यासक्रम सुरु करण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे.

हा शासन निर्णय शासनाच्या संकेत स्थळावर www.maharashtra.gov.in यावर उपलब्ध असून त्याचा संगणकीय सांकेतांक क्रमांक २०१००७१९१४२६०१००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,


(सं.अ.बागेश्वर)

कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

संचालक (प्रशिक्षण), व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

सहसंचालक/उपसंचालक, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण, प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई, पुणे, नागपूर, अमरावती, औरंगाबाद, नाशिक [संचालक (प्रशिक्षण) यांचेमार्फत].

संबंधित जिल्हा व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण अधिकारी, [संचालक (प्रशिक्षण) यांचेमार्फत].

महालेखापाल (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र-१/२, मुंबई/नागपूर.

महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता) महाराष्ट्र-१/२, मुंबई/नागपूर.

संबंधित प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था [संचालक (प्रशिक्षण) यांचेमार्फत].

नियोजन / वित्त विभाग, मंत्रालय, मुंबई.

कार्यासन अधिकारी (व्यशि-१/२/३/४), उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग, मंत्रालय, मुंबई.

मा.मंत्री, उच्च व तंत्रशिक्षण यांचे खाजगी सचिव

मा.राज्यमंत्री, उच्च व तंत्रशिक्षण यांचे खाजगी सचिव

निवड नस्ती/व्यशि-५

शासन निर्णय क्र.पीपीपी-२०१०/(७६/१०)/व्यशि-५, दिनांक : १७ जुलै, २०१० चे सहपत्र.

प्रपत्र-अ

पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशिपद्वारे सेंटर ऑफ एक्सलन्सची स्थापना करण्यांत येणा-या औ.प्र.संस्थांची व्यवसाय अभ्यासक्रमनिहाय (सेक्टर) यादी (२००९-२०१०)

| अ.क्र. | औ.प्र.संस्थेचे नांव व जिल्हा | व्यवसाय गट (सेक्टरचे नांव) | प्रवेश क्षमता |
|--------|------------------------------|--------------------------------------|---------------|
| १ | मोखाडा (आ), जि.ठाणे | ऑटोमोबाईल. | ९६ |
| २ | कल्याण, जि.ठाणे | इलेक्ट्रिकल. | ९६ |
| ३ | मानगांव, जि.रायगड | कन्स्ट्रक्शन अँड वुडवर्कींग. | ९६ |
| ४ | बाशी, जि.सोलापूर | प्रॉडक्शन अँड मॅन्युफॅक्चरींग. | ९६ |
| ५ | हातकनंगले, जि.कोल्हापूर | टेक्सटाईल प्रोसेसिंग अँड टेक्नॉलॉजी. | ९६ |
| ६ | मुरगुड, जि.कोल्हापूर | फाऊंड्री टेक्नॉलॉजी | ९६ |
| ७ | गगनबावडा, जि.कोल्हापूर | फॅब्रिकेशन (फिटींग अँड वेल्डींग). | ९६ |
| ८ | आर्णी (आ), जि.यवतमाळ | फॅब्रिकेशन (फिटींग अँड वेल्डींग). | ९६ |
| ९ | कु ही, जि.नागपूर | इलेक्ट्रिकल. | ९६ |
| १० | मौदा, जि.नागपूर | इलेक्ट्रिकल. | ९६ |
| ११ | सेलू, जि.वर्धा | फॅब्रिकेशन (फिटींग अँड वेल्डींग). | ९६ |
| १२ | मुल, जि.चंद्रपूर | ऑटोमोबाईल. | ९६ |
| १३ | भद्रावती (आ), जि.चंद्रपूर | इलेक्ट्रिकल. | ९६ |
| १४ | नागभिड, जि.चंद्रपूर | प्रॉडक्शन अँड मॅन्युफॅक्चरींग. | ९६ |
| १५ | कोर्ची (आ), जि.गडचिरोली | ऑटोमोबाईल. | ९६ |
| १६ | धानोरा (आ), जि.गडचिरोली | इलेक्ट्रिकल. | ९६ |

S. N. Joshi

शासन निर्णय क्र.पीपीपी-२०१०/(७६/१०)/व्यशि-५, दिनांक : १७ जुलै, २०१० चे सहपत्र.

प्रपत्र-ब

पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशिपद्वारे दर्जावाढ करण्यात येणा-या औ.प्र.संस्थांची यादी (२००९-२०१०)

| अ.क्र. | औ.प्र.संस्थेचे नांव | जिल्ह्याचे नांव | अ.क्र. | औ.प्र.संस्थेचे नांव | जिल्ह्याचे नांव |
|--------|---------------------|-----------------|--------|---------------------|-----------------|
| १ | भिवंडी | ठाणे | २३ | पाचोरा | जळगांव |
| २ | तलासरी | ठाणे | २४ | वैजापूर | औरंगाबाद |
| ३ | पालघर | ठाणे | २५ | सिल्लोड | औरंगाबाद |
| ४ | खालापूर | रायगड | २६ | केज | बीड |
| ५ | संगमेश्वर | रत्नागिरी | २७ | गंवराई | बीड |
| ६ | दापोली | रत्नागिरी | २८ | औधा (नागनाथ) | हिंगोली |
| ७ | देवगड | सिंधुदुर्ग | २९ | कळमनूरी | हिंगोली |
| ८ | मुळशी | पुणे | ३० | तूळजापूर | उस्मानाबाद |
| ९ | जत | सांगली | ३१ | औसा | लातूर |
| १० | मोहोळ | सोलापूर | ३२ | जाफराबाद | जालना |
| ११ | राधानगरी | कोल्हापूर | ३३ | मंन्टा | जालना |
| १२ | आजरा | कोल्हापूर | ३४ | घनसांघवी | जालना |
| १३ | तुर्केवाडी | कोल्हापूर | ३५ | परतूर | जालना |
| १४ | शाहुवाडी | कोल्हापूर | ३६ | जितूर | परभणी |
| १५ | मेढा | सातारा | ३७ | बाळापूर | अकोला |
| १६ | सुरगाना | नाशिक | ३८ | मोरेगांव | यवतमाळ |
| १७ | कर्जत | अहमदनगर | ३९ | बाभुळगांव | यवतमाळ |
| १८ | श्रीरामपूर | अहमदनगर | ४० | गोडपिंपरी | चंद्रपूर |
| १९ | तळोदा | नंदुरबार | ४१ | चिमुर | चंद्रपूर |
| २० | अक्राणी | नंदुरबार | ४२ | इटापल्ली | गर्डाचरोली |
| २१ | जळगांव (मु.) | जळगांव | ४३ | आरमोरी | गर्डाचरोली |
| २२ | उचंदे | जळगांव | ४४ | चामोशी | गर्डाचरोली |

Signature